चीनी से महंगाई का साया घटा, 'बनावटी' तेजी खत्म हुई

गिरावट के बाद चीनी मिलों की चिंता बढ़ गई है क्योंकि देश भर में गन्ना किसानों का बकाया बढ़ता जा रहा है

[जयश्री भोसले | पुणे]

फरवरी के दूसरे पखवाड़े में चीनी की कीमतों में 10 पर्सेंट से ज्यादा की बढ़ोतरी के बाद एक बार फिर गिरावट देखने को मिल रही है। इससे इस बात का संकेत मिलता है कि कीमतों में तेजी बनावटी थी। गिरावट के बाद चीनी मिलों की चिंता बढ़ गई है क्योंकि देश भर में गन्ना किसानों का बकाया बढ़ता जा रहा है। NCDEX पर चीनी की कीमतों में तीन दिनों के भीतर ही 7.5 पर्सेंट की तेजी आई थी। 9 फरवरी को दाम 32 रुपये प्रति किलो था, जो 12 फरवरी को बढ़कर 34.41 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया था। अगले दो दिनों में कीमतों में फिर से 3.4 पर्सेंट की तेजी आई और 14 फरवरी को यह बढ़कर 35.20 रुपये प्रति किलो हो गई। हालांकि, उसके बाद कीमतों में गिरावट आनी शुरू हो गई।

उत्तर प्रदेश में इस समय मिल गेट पर बिना ड्यूटी के प्रीमियम ग्रेड की चीनी का दाम 32.50 रुपये से लेकर 33 रुपये प्रति किलो तक है। बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने कहा, 'सरकार के शुगर मिलों पर स्टॉक लिमिट लगाने के बाद चीनी के दाम 3.50 रुपये प्रति किलो तक बढ़े थे, लेकिन उसके बाद से इसमें 2.50 रुपये प्रति किलो तक की कमी आ चुकी है।'

ट्रेडर्स का दावा है कि 5 दिनों में चीनी की कीमतों में 10 पर्सेंट से ज्यादा की आई हुई तेजी 'बनावटी' थी। जैन ने दावा किया, 'स्टॉक लिमिट लगाए जाने के बाद दाम में आई अचानक तेजी ज्यादातर सट्टेबाजी की वजह से आई थी। ट्रेडर्स ने अपना प्रॉफिट बुक किया और कीमतें फिर से गिरने लगीं क्योंकि उसकी वजह डिमांड में बढ़ोतरी नहीं थी।' यहां तक कि बढ़ी हुई कीमत के बाद भी चीनी मिलों अपना स्टॉक नहीं निकाल पाईं। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के साथ देश भर में चीनी की मांग सुस्त बनी हुई है। उत्तर प्रदेश शुगर मिल्स एसोसिएशन के दीपक गुप्ता ने कहा, 'ट्रेड वॉल्यूम लो है क्योंकि चीनी की डिमांड नहीं है। सप्लाई पाइपलाइंस पूरी तरह से भरी हुई हैं।'

चीनी के दाम में कमी आने के बाद मिलों की चिंता बढ़ गई है क्योंकि किसानों का गन्ने का बकाया बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश में गन्ने का बकाया 4,673 करोड़ रुपये है क्योंकि चीनी मिलों ने अभी तक 75 पर्सेंट भुगतान किया है। 2017-18 सीजन के लिए सरप्लस गन्ने के उत्पादन की उम्मीद के बाद निकट भविष्य में चीनी की कीमतों में गिरावट बनी रहने की आशंका है। जैन ने कहा, 'कीमतों में मंदी बनी रहेगी क्योंकि अभी इसमें खरीदारों की दिलचस्पी नहीं है।'

The economic Times.
27-02-18.